



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बौद्धवार, 9 मार्च, 2000/19 फाल्गुन, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 26th February, 2000

No. FDS-B (4)-8/96.—In continuation of this Department Notification No. FDS-A (4) 2/95 dated 9-7-1996, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that Shri P. N. Nag (Retd. Judge of High Court) shall cease to hold office on 5-3-2000 (afternoon) on attaining the age of 67 years as President Himachal Pradesh State Consumer Disputes Redressal Commission Shimla.

By order,

S. S. NEGI,
F.C.-cum-Secretary.

पंचायती राज विभाग

आदेश

शिमला-9, 2 मार्च, 2000

सं०पी०सी०एच०-एच० ए०(5) 25/93-जय पिढ़ि माता-4308 16.—यह कि श्री मोहिन्द्र सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत जयपिढ़िमाता, विकासखण्ड जुब्बल-कोटखाई, जिला शिमला को उपायुक्त शिमला द्वारा, विभिन्न विकासात्मक कार्य हेतु स्वीकृत अनुदान राशि के छलहरण/दुरुपयोग करने के आरोप में, आदेश संख्या पी०सी०एच०-एस० एम०एल०(10) 216/82, दिनांक 16 मार्च, 1999 द्वारा प्रधान पद से निलम्बित किया गया था।

और यह कि उक्त प्रधान द्वारा अपने निलम्बन आदेशों के विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 148 के अन्तर्गत अपीली प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर की थी। अपील की सुनवाई के दौरान उक्त प्रधान के विरुद्ध मु० 17000/- रुपए के संदिग्धपूर्ण वाउचर तैयार करने का मामला विभाग के समक्ष आया जिसकी विभागीय जांच अतिरिक्त उपायुक्त शिमला के माध्यम से करवाई गई। जांच अधिकारी ने उपरोक्त धन राशि के दुरुपयोग/गबन होने की पुष्टि की है। अतः उक्त प्रधान सरकारी धनराशि के दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया है क्योंकि जांच अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर उक्त प्रधान को धारा 146(1) के अन्तर्गत “कारण बताओ नोटिस” जारी किया गया था जिसमें उनका उत्तर असन्तोषजनक पाया गया।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(1) में प्रदत्त है, का प्रयोग करते हुए श्री मोहिन्द्र सिंह, प्रधान (नि०) ग्राम पंचायत जयपिढ़िमाता, विकास खण्ड जुब्बल-कोटखाई, जिला शिमला को आदेश जारी होने की दिनांक से प्रधान पद से निष्कासित करने के सहर्ष आदेश देते हैं और हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(2) के अन्तर्गत निष्कासन की दिनांक से छः वर्ष की अवधि के लिए चुनाव लड़ने हेतु भी निरहित करते हैं।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव।

राजस्व (घ) विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 27 जनवरी, 2000

रैव-डी (जी) 6-83/96-II.—मैसर्स जय प्रकाश हाईड्रो पावर लिमिटेड ने वासपा-II हाईड्रो इलैक्ट्रिक परियोजना स्कीम के वित्तीय संस्थानों के पाम 10-92-73 हैक्टियरज सरकारी भूमि को बन्धक रखने के लिए अनुमति प्रदान करने के लिए आवेदन किया है और राज्य सरकार, उपयुक्त निर्दिष्ट भूमि को उक्त परियोजना के निष्पादन हेतु वित्त जुटाने के लिए अनुज्ञात करने के लिए, लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन समझती है;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पट्टा नियम, 1993 के प्ररूप-इ के पैरा-9 के उप-पैरा-9 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लोक हित में, उक्त परियोजना (पट्टेदार) को उसे पट्टे पर

दी गई भूमि में पट्टाधुति अधिकारों सहित 10-92-73 हैक्टेयर जमीन में अपने हित को वाया-II हाईड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के निष्पादन के लिए पूंजी लेने हेतु पन्द्रह वर्ष की अवधि के लिए या जब तक ये कार्यन्वयन करार के अनुसार निष्पादन करने वाली कम्पनी के नियन्त्रण में रहती है, जो भी पूर्वोक्त हो, किसी वित्तीय संस्थान के पास बन्धक रखने के लिए अनुज्ञात करना आवश्यक और समचीन समझने है तथापि पट्टा विवेक तदनुसार संशोधित कर लिया जाना चाहिए।

आदेश द्वारा,

अश्वनि कोल,
वित्तीय एवं सचिव।

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 24th February, 2000

No. LSG-A (1)-3/96.—In this Department's Notification of even number dated 12-01-2000, full name and address of nominated member at serial No. 2 may be read as under :—

“Shri Ashwani Kumar Sharma son of Shri Krishan Kant Sharma, Ganesh Printing Press (General Secretary) District Bhartiya Janata Party Kangra, Nagrota-Bagwan”.

By order,

RAVI DHINGRA,
F. C.-cum-Secretary.

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 25 फरवरी, 2000

संख्या एल0एस0जी0-एफ (9)-1/74-II.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख, 18-1-1995 के आंशिक उपांतरण में, हिमाचल प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1968 की धारा-20 के साथ पठित हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 340 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, में नगर निगम शिमला द्वारा यथा नाम निर्दिष्ट श्री गजी शेखर, पार्षद, के स्थान पर श्री नरेन्द्र कटारिया, पार्षद नगर निगम शिमला को “वृद्ध प्राधिकरण” के सदस्य के रूप में सम्मिलित करते हैं।

आदेश द्वारा,

रवि धिंगरा
वित्तीय एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. LSG-F (9) 1/74-II dated 25-2-2000 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla2, the 25th February, 2000

No. LSG-F (9) 1/74-II.— In partial modification of this Department's Notification of even number, dated 18-1-1995 the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers conferred by section 340 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 read with section 20 of the Himachal Pradesh General Clause Act, 1968 is pleased to include Shri Narinder Kataria, Councillor, Municipal Corporation, Shimla as member of Tree Authority in place of Shri Shashi Shekhar, Councillor, as nominated by the Mayor, Municipal Corporation Shimla.

By order,

RAVI DHINGRA,
F.C.-cum-Secretary.